नमूना उत्तर पत्र

संकलित परीक्षा - 2 (२०१६ - २०१७)

कक्षा - दसवीं

पाठ्यक्रम - हिंदी 'ब'

खंड क **अंक 90**

(अपठित अंश)

1.

2x6=12

क) भारत एक स्वतंत्र धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है। यहां अनेक धर्मानुयायी तथा भाषा भाषी लोग रहते हैं। एक ध्वज, एक लोकसभा, एक राष्ट्रचिन्ह तथा एक ही संविधान मिलकर राष्ट्र का निर्माण करते हैं।

ख) भारत की सर्वाधिक उल्लेखनीय विशेषता अनेकता में एकता है। भारत में विभिन्न धर्म, जाति तथा संप्रदाय के लोग रहते हैं। सभी लोगों की भाषा तथा बोली तो अलग ही है लेकिन प्राकृतिक रूप से भी पहाड़, रेगिस्तान, ऊपजाऊ भूमि तथा समतल मैदान भी इसे विविधता प्रदान करते है।

ग) आधुनिक काल में द्रुतगामी यातायात के साधन बन गए हैं जिसके कारण हम एक भाग से दूसरे भाग में शीघ्र ही पहुंच जाते है। इसी कारण देश की भौगोलिक सीमा सिकुड गई प्रतीत होती है।

घ) सांस्कृतिक दृष्टि से संपूर्ण देश में विभिन्न धर्मो के धर्मावलंबी संपूर्ण देश में पाए जाते है। इसी सांस्कृतिक एकता की शक्ति के कारण इतना बडा देश एक सूत्र मे बंधा हुआ है।

ड) यहां के रहन सहन, भाषा, बोली, विभिन्न त्यौहार एवं रिवाजों की अनेकता के बावजूद भावनात्मक रूप से एक दूसरे से जुडे हैं।

च) यदि प्रत्येक भारतीय संकीर्ण विचारधारा का परित्याग कर व्यापक दृष्टिकोण अपना ले तभी हमारी राष्ट्रीय एकता अक्षुण्ण बनी रह सकती है। यह आज की एक महत्वपूर्ण अपेक्षा है।

उतर 2 2x4=8

क) जीवन अस्थिर, अनजाना, नश्वर, चंचल, क्षण भंगुर व बाधाओं से भरा होता है। ख) जीवन रुपी यात्रा में कठिनाइयों रूपी पड़ाव, सुख-दुख व प्रमाद के अवसर आते हैं।

ग) मंजिल पाने के लिए विभिन्न परेशानियों का सामना करना पडता है। इसकी राह बहुत लंबी होती है और चलने वाले कदम बहुत छोटे होते हैं इसलिए उसे पा लेना कठिन है।

घ) कवि उन सभी साथियों को धन्यवाद देता है जिन्होंने जीवन रूपी यात्रा में कवि को स्नेह दिया। उनका स्नेह पाकर कवि का जीवन पथ सरल तथा सुहाना हो गया।

खंड ख

उतर 3

क) कोई भी उपयुक्त उदाहरण 1

ख) पद 1

ग)

(i) कपिल के बुलाने पर भी यश नहीं आया 1

(ii) कल बहुत सर्दी थी इसलिए हम कहीं नहीं गए 1

(iii) जो लोग सदाचारी होते हैं, वे सबका आदर पाते हैं 1

उतर 4 क)

(i) शुभा है जो आगमन (कर्मधारय समास) 1

(ii) वीणा है पाणी (हाथ) में जिसके (सरस्वती/नारय) (बहुव्रीही समास) 1

ख)

(i) जीवनमुक्त (तत्पुरूष समास) 1

(ii) सतसई (द्विगु समास) 1

ग) आकाश के तारे तोडना 1

उतर 5

क)

(i) कुसंग सदबुद्धि और विवेक का नाश करता है। 1

(ii) उस मकान के गिरने की आशंका है। 1

(iii) उसने आने के लिए कहा था। 1

(iv) सभी नेताओं ने जोशीले भाषण दिए थे। 1

ख) सन्नाटे में होना मुहावरे का अर्थ - स्तंभित होना 1

(कोई उचित वाक्य)

खंड - ग

उतर 6

क) शुद्ध आदर्श वह है जिसमें व्यवहारिकता का स्थान न हो इसके विपरीत आदर्शो को महत्ता दी जाए 2

ख) वह कुत्ता जनरल साहब का नही बल्कि उनके भाई का है। यह कुत्ता बारजोयस नस्ल का है और उन्हें ही इसी नस्ल के कुत्ते पसंद हैं। 2

ग) नूह नामक पैगंबर का असली नाम लशकर ही था। 1

उतर 7 अर्थात व्यक्तिगत पहचान समाप्त, सभी प्राणी मिट्टी से बने। सभी मिट्टियों को मिलाने के बाद उनको अलग अलग करना कठिन, जीवन काल में मनुष्यों में विभिन्नता, मत्यु के पश्चात किसी भी प्रकार की भिन्नता नहीं रहती, मिट्टी का मिट्टी में मिल जाने पर मनुष्य में कितनी मनुष्यता है और पशुता यह भेद भी समाप्त हो जाता है। 5

उतर 8

क) उसे उसके पद से हटाकर बनारस पहुंचा दिया, वहां वजीर अली ने एक वकील का कत्ल कर दिया था। 2

ख) गवर्नर जनरल ने वजीर अली को बनारस से कोलकता बुलाया था। उसे उनके पद से हटाकर बनारस पहुंचा दिया । वजीर अली को बार-बार बनारस जाना पसंद नही था। 2

ग) वकील ने वजीर अली की परेशानी सुनने की बजाय भला बुरा कह दिया। 1

उतर 9क) जिसे सभी लोग याद रखें। ऐसी मृत्यु दूसरों का भला करने पर प्राप्त होती है। जो व्यक्ति परोपकार के लिए जीते तथा मरते हैं, उनकी मृत्यु ही सुमृत्यु होती है। 2

ख) कृष्ण के सांवले शरीर पर पीला वस्त्र ऐसे शोभायमान हो रहा था मानो नीलमणि पर्वत पर प्रातकालीन सूर्य की किरणे बिखरी हों। 2

ग) तालाब की समानता दर्पण के साथ की गई है। 1

उतर 10. देश की रक्षा हमारा धर्म व कर्तव्य, मन में देश की रक्षा के लिए यह भाव आवश्यक है कि देश के मान के लिए सर भी कटवाना पड़े तो सदैव तत्पर रहें, किसी भी रावण रूपी शत्रु के कदम देश में नहीं पडनें देंगे। 5

हममें आत्मबल होना चाहिए कि दुश्मन की हर चाल का मुहंतोड जवाब दे सकें और सीता रूपी देश की पवित्रता की रक्षा हम राम व लक्षमण रूप में करें। देश में लोकतंत्र की रक्षा का कर्तव्य देशवासियों की जिम्मेदारी।

अथवा

प्रत्येक व्यक्ति जीवन के संघर्षो में छुटकारा चाहता है परंतु इस कविता में कवि किसी भी प्रकार की सहायता की इच्छा नहीं करता, उसकी कामना केवल निर्भय, स्वस्थ व अविजित होने की है

वह ईश्वर को दुःख की हर घड़ी में भी याद करना चाहता है, वह सदैव आत्मविशवास, धैर्य, शक्ति, पुरूषार्थ व हिम्मत बनाए रखने व निर्भय होकर जीवन जीने की प्रार्थना करते है।

उतर 11. टोपी भरे पूरे परिवार में अकेला, उसकी भावनाओं को कोई नहीं समझता, दादी का गुस्सा, भाईयों से झगडा, मित्र के घर से प्यार परंतु मजहब की दीवार, मित्र से दूरी का दर्द, विद्यालय में फेल होने के कारण साथियों व अध्यापकों की उपेक्षा का दर्द। 5

अथवा

आज की स्कूली शिक्षा प्रणाली शारीरिक दंड या किसी भी प्रकार के दंड का विरोध करती है, छात्रों की मनोदशा पर विशेष घ्यान, चहुमुखी विकास के विशेष प्रयत्न, आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने के विशेष प्रयास, परीक्षा को भय नहीं अपितु स्वयं को परखने का मापदंड बनाया गया।

खंड घ

उतर 12 से उतर 16 (प्रत्येक उतर 5 अंक)

प्रारूप - 2 अंक

विषय वस्तु - 2 अंक

भाषा - 1 अंक